



# भारत का राजापत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

मं. 17]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 20, 1987/ज्येष्ठ 30, 1909

No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 20, 1987/JYAISTHA 30, 1909

इस भाग में भिन्न प्रकार संस्थाएँ द्वारा जारी हो जिसमें कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation**

भाग II—खण्ड 3—चर्चा-खण्ड (iii)

PART II—Section 3—Sub-section (iii)

(संघ राज्य के अधिकारियों द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएँ  
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Administrations of Union  
Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 27 मई, 1987

आदेश

आ.ग्र. 69 : ---निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथाविनिर्दिष्ट विधान सभा के साधारण निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अध्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त मारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपर्युक्त रूप में अपने निर्वाचन व्यवों का लेखा समय के अन्तर्गत और/अथवा अपेक्षित रीति से दाखिल करने में अमर्कत रहा है;

और उक्त अध्यर्थियों ने सम्यक मूल्यना दिए जाने पर भी उक्त अमरकन्ता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा किए गए अध्यावेदनों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त अमरकन्ता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट अधिकारियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य शेर्की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इन ग्रादेश की तारीख में नीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

## सारणी

क्रम निर्वाचन का विवरण संख्या	संसदीय/विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की क्रम संख्या और नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अध्यर्थी का नाम और पता	निरहृता का कारण	
1	2	3	4	5
1. सिक्खिम विधान सभा के एवं साधारण निर्वाचन, 1987	2-ताशिंग	श्री फुर्बा नांग्याल, लासोपा, नाम-नाम गंगटोक, सिक्खिम।	निर्वाचन अध्यर्थों का लेख आविस नहीं किया है।	

[सं. 76/सिक्खिम-वि. स./85]

## ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 27th May, 1987

## ORDER

O.N. 60: Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the election to the Legislative Assembly as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge an account of his election expenses or failed to lodge the account within the time and or in the manner, as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representations made by them, if any is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this order.

## TABLE

S. No.	Particulars of election	S.No. & Name of the Assembly Constituency	Name & address of the contesting candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	General Elections to Sikkim Legislative Assembly, 1985.	2-Tashiding Assembly Constituency.	Shri Phurba Nangyal, Lasopa, Nam-Nam, Gangtok, Sikkim.	Failed to lodge the account of election expenses.

[No. 76/SKM--LA/85]

## आदेश

आ.अ. 70:—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि भीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट विधान सभा के साधारण निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अध्यर्थी सोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अधेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपलब्धित रूप में अपने निर्वाचन अध्यर्थों का लेखा समय के अन्तर्गत और/अथवा अधेक्षित रीति से दाखिल करने में असफल रहा है;

और उक्त अध्ययितों ने सम्पर्क सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके डारा दिए गए अस्थायेवतों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-के प्रत्युत्तरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट अधिकितों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य संघ/राज्य सेवा के विधान सभा अथवा विधान परिषद् के गद्दर चुने जाने और हेतु में विषु इह आयोग की चारीजु के नीत नर्त की कालासंधि के लिए निर्विव घोषित करता है।

### सारणी

क्रम संख्या	निर्वाचन का विवरण क्रम संख्या और नाम	विधान सभा निर्वाचन-सेवा की निर्वाचन संडाने वाले अधिकारी का नाम और पता	निरहंता का कारण निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया है।	
1	2	3	4	5
1.	विहार विधान सभा के लिए सावधारण निर्वाचन, 1985.	193-अस्थावां श्री परमेश्वर सिंह, ग्राम निजामपुर, पो. अस्थावां, (नालन्दा) विहार।	निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया है।	
2.	—वही—	195-राजगीर (आ.जा.) श्री भुनेश्वर चौधरी, ग्राम मुर्गियाचक, पो. बरवीधा (नालन्दा), विहार।	—वही—	
3.	—वही—	201-मोकामा श्री विजय कुमार यादव ग्राम बौदा, पो. मोकामा घाट, जिला पटना (बिहार)	निर्वाचन व्ययों का लेखा प्रये- क्षित रीति से दाखिल नहीं किया है।	
4	—वही—	206-पटना पश्चिम श्री कमलेश्वर शर्मा, ग्राम अनध्यपुरी, खगोल, पटना, बिहार।	—वही—	

[सं. 76/बिहार-वि. स./85]

### ORDER

O.N.70 :—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the election to the Legislative Assembly as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge an account of his election expenses or failed to lodge the account within the time and/or in the manner, as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice of the Election Commission, after considering the representations made by them, if any is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column(4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this order.

## TABLE

S. No.	Particulars of election	S.No. & Name of Assembly Constituency	Name and Address of the Contesting Candidates	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	General Elections to Bihar Legislative Assembly, 1985.	193-Asthanan	Shri Parmeshwar Singh, Vill. Nizampur, P.O. Ashawan, Nalanda Bihar.	Failed to lodge the account of election expenses.
2.	-do-	195-Rajgir	Shri Bhuneswar Chowdhury, Vill. Murgiachak, P.O. Barbigha, Nalanda Bihar.	-do-
3.	-do-	201-Mokamah	Shri Vijay Kumar Yadav, Vill. Autta, P.O. Mokameha Ghat, Patna.	Failed to lodge the account of election expenses in the manner required by law.
4.	-do-	206-Patna West	Shri Kamleshwar Sharma, Anandpuri, Khagol, Patna.	-do-

[No. 76/BR—LA/85]

नई दिल्ली, 8 जून, 1987

## आदेश

या. म्र. 71—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट बिहार राज्य से लोक सभा निर्वाचन के लिए जो स्थान (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन घोट से हुआ है, स्थान (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्यक्ष अभ्यर्थी, नांक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वारा बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उत्तराधिकार स्वरूप में आगे निर्वाचन व्यय का लेवा संपर्क के अवर्गत और/अथवा अपेक्षित रीति में दाखिल करने में असफल रहा है;

और उक्त अधिनियम ने सम्यक भूत्ता दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा भूषणीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अप्पावेदनों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संघर के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघराज्य घोट की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सभस्य चुने जाने और होने के लिए इस श्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कानावधि के लिए निर्धारित घोषित करता है।

## सारणी

क्रम संख्या	निर्वाचन का विवरण संसदीय सभा निर्वाचन-घोट को	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का निरहंता का कारण		
1	2	3	4	5
1.	लोक सभा के लिए गाँधारण 34-नालन्दा संसदीय घोट निर्वाचन, 1984 (बिहार राज्य)	34-नालन्दा संसदीय घोट नाम और गाँधारण नाम और पता	श्री शशी नालन्दा प्रसाद, मौ. बारी दग्गाह, पी. एस. बिहारशरीफ, नालन्दा, बिहार।	निर्वाचन व्ययों का लेवा समय के अन्वर तथा अपेक्षित रीति में दाखिल नहीं किया गया।

[सं. 76/बिहार - लो. स./85]

New Delhi, the 8th June, 1987

## ORDER

O.N. 71.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the election to the House of the People as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge an account of his election expenses or failed to lodge the account within the time and or in the manner, as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice of the Election Commission, after considering the representations made by them, if any is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period 3 years from the date of this order.

## TABLE

S. No.	Particulars of election	S. No. & Name of Parliamentary Constituency	Name & Address of the Contesting Candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	General Elections to the House of the People, 1984 (Bihar State).	34-Nalanda	Shri Sasi Nandan Prasad, Moh. Bari Dargah, P.S. Bihar Sharif, Nalanda (Bihar).	Failed to lodge the account within the time and in the manner required by law.

[No. 76/BR-HP/85]

## आदेश

ग्रा. अ. 72:—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की मारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट विधान सभा के सामाधारण निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-धर्तीव में दुश्मा है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अधिकारी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा नड़ीन बनाए गए नियमों द्वारा अनेक उन सारणी के स्तम्भ (5) में यथा विनिर्वाचन स्थान से आवाने निर्वाचन धर्ती के लिए या लेखा समय के अंतर्गत आग्रहित ग्रांजित गीति से दाखिल करने का असफल रहा है।

और उन अध्यधियों ने सम्पर्क सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अस्थावेदनों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या अध्योचित्य नहीं है;

ग्रातः अब, निर्वाचन आयोग उन अधिनियम की वारा 10-क के अनुसरण में नीचे की मारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संमद के किसी भी मदन के या किसी राज्य/मंदिगञ्ज धेर की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख में नीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

## सारणी

क्र. सं.	निर्वाचन का विवरण विधान सभा निर्वाचन-धर्ती को क्रम संख्या और नाम		निर्वाचन लड़ने वाले अध्यधियों का नाम और पता	निरहित का कारण
1	2	3	4	5
1.	बिहार विधान सभा का साधारण निर्वाचन, 1985	148—बोरियो (रा. ज. जा.)	श्री शिव चरण मुरम, ग्राम गामनोग, पा. कसुम धाटी, थाना बांगारीजोर, जिला गोडडा, बिहार।	निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेना गंभीर तरीके किया है।
2.	—वही—	281—बाघमारा	श्री वी. के. मुखर्जी, ग्राम भट्टा बाजार, रेलवे कालोनी, पा. महुदा बाजार, जिला धनबाद, बिहार।	—वही—

[सं. 76/बिहार - लो. स. /87]

आदेश से,  
एस. डी. प्रशाद, प्रबंध सचिव

## ORDER

O.N. 72.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the election to the Legislative Assembly as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge an account of his election expenses or failed to lodge the account within the time and or in the manner, as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representations made by them, if any is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

S. No.	Particulars of election	S. No. & Name of Assembly Constituency	Name & Address of the Contesting Candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	General Election to Bihar Legislative Assembly, 1985.	148-Borio (ST)	Shri Shiv Charan Murmu, Vill. Amchor, P.O. Kasum ghati, Thana-Borijojor, Distt. Gonda (Bihar).	Account of election expenses not lodged.
2.	-do-	281-Baghmara	Shri B. K. Mukherjee, Vill. Mahuda Bazar, Railway Colony, P.O. Mahuda Bazar, Distt. Dhanbad (Bihar).	-do-

[No. 76/BR-LA/87]

By Order,  
S. D. PERSHAD, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 जून, 1987

आ. अ. 73.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 106 के अनुसरण में, निर्वाचन आयोग 1983 की निर्वाचन अर्जी संख्या 67 में जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय श्रीनगर के तारीख 11-4-1987 का निर्णय एतद्वारा प्रकाशित करता है।

[82/जे.क.-लो.सं./67/83]

New Delhi, the 3rd June, 1987

O.N. 73.—In pursuance of section 106 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby publishes the Order dated the 11th April, 1987 of the High Court of Jammu and Kashmir at Srinagar in Election Petition No. 67 of 1983.

HIGH COURT OF JAMMU AND KASHMIR AT SRINAGAR

PRESENT

Hon'ble Mr. Justice G.A. Kuchhai  
Election Petition No. 67/83

Chuam Rasool V/s Abdul Rashid Kathi

Mr. F. A. Khan

Mr. S. Hali

The petitioner, a voter in 2-Srinagar Parliamentary Constituency challenges the election of respondent No. 1 and prays for annulling his election which was declared on 20-6-83 and also for disqualifying him from contesting election for a prescribed period.

The grounds of challenge are that : the respondent No. 1 was a nominee of National Conference while respondent No. 2 was a candidate of Congress-I party. The respondent No. 1 and his supporters including Dr. Farooq Abdullah, President of National Conference and Moulvi Farooq leader of Awami Action Committee, a pro-pak Organisation, with the consent and connivance of respondent No. 1 unleashed election campaign on communal basis by making religious appeals arousing communal feelings and creating hatred between different communities on the basis of cast, religion and race and by using religious symbols and by preaching openly against Congress-I party at focus religious places in the valley such as, Dargah Hazratbal and Jamia Masjid where it was openly propagated that the Congress-I party was unity of theft of holy religion in 1963-64 and the party who

was in power at the Centre at that time is responsible for mass-killing of muslims in various places in the country and attending to reduce the muslim majority into minority in the State of Jammu and Kashmir. That the voters were compelled and intimated to cast votes in favour of the respondent No. 1. The election was propagated as war between Kufar and Islam. Votes in favour of National Conference were said to be votes in favour of Islam by touching the sentiments of muslim voters and by communalising the whole atmosphere, and by creating hostile atmosphere for the Congress-I party, of which respondent No. 1 was a candidate. That the Government machinery was misused due to National Conference being in power at the time of election in the State. On these grounds the petitioner prays for setting aside the election of respondent No. 1 from 2-Srinagar Parliamentary Constituency to the Parliament and be declared as null and void and the respondent No. 1 be disqualified from contesting the election for the prescribed period.

The respondent No. 1 appeared and filed his written statement denying all the allegations of corrupt practices otherwise made to set aside his election from the said constituency.

This court vide Order dt. 13-9-1985 framed the following issues :—

1. Whether respondent No. 1 and his leader Dr. Farooq Abdullah with the consent of respondent No. 1 made an appeal to the electors to vote or refrain from voting on the ground of his religious and community and to religious symbols for the furtherance of the prospects of the election of respondent No. 1 and for prejudicially affecting the election of the petitioner as alleged in the petition ?
2. Did respondent No. 1 and his leader with the consent of respondent No. 1 promote or attempt to promote feelings of enmity or hatred between different classes of citizens on the grounds of religion and community for the furtherance of the election prospects of respondent No. 1 and for prejudicially affecting the election of the petitioner as alleged in the petition ?
3. Did respondent No. 1 obtain or procure or attempt in obtaining or procuring or did any other person with the consent of the respondent No. 1 obtain or procure any assistance for the furtherance of election prospects of respondent No. 1 from any person in the service of the Government as alleged in the petition ?
4. Did respondent No. 1 or any person with his consent exert undue influence in the free exercise of the electoral right of the voters as alleged in the petition ?

5. Did respondent No. 1 or any person with his consent capture polling booths as detailed out in the petition. With the object to rig the elections ? If so, what is its effect on the election or respondent No. 1 ?

This court vide order dt. 13-9-85 as stated above framed the above quoted issues 1 to 5 and the petitioner was given opportunity vide the same order to adduce the evidence and the petitioner examined Abdul Rashid Khan Hakim Ghulam Ahmed as his witnesses in the case.

While the petitioner's evidence was being summoned Mr. A. Khan, appearing for the petitioner vide his statement dt. 7-3-87 stated that the petitioner does not want to adduce any evidence in support of the petition.

Mr. Hali, appearing for the respondent gave a similar statement that he too does not want to adduce any evidence with the result case of the parties was closed and the arguments of learned counsel for both the sides were heard.

Counsel for the petitioner did not mention the statement of two witnesses recorded by the petitioner referable to any issue nor referred to any material in respect of the issues framed in the case onus of proving of which was on the petitioner. Even the petitioner was not effected for recording his statement in support of the petition. Even if the statement of Abdul Rashid Khan is referred, all that he has stated that the respondents party workers were asking for votes in favour of the National Conference Candidates. The other witness Hakim Ghulam Ahmed cannot be relied simply in his statement he appears to have got annoyed as his son was beaten near one polling booth. The petitioner in the circumstances has failed to prove the election being based on alleged corrupt practices to declare the election of respondent No. 1 from 2 Srinagar Parliamentary Constituency null and void. The petition deserves to be dismissed for want of proof.

I therefore, dismiss the petition to set aside the election of respondent No. 1 from 2 Srinagar Parliamentary Constituency for want of proof. The respondent No. 1 will be entitled to costs assessed at Rs. 700 (seven hundred) to be paid by the petitioner. The petitioner will be at liberty to draw the remaining security amount after payment of costs awarded to the respondent No. 1.

The petition is dismissed with costs accordingly and the file be consigned to records.

Srinagar,  
Dt. 11-4-87.

[No. 82/J&K-HP/67/83]

नई दिल्ली, 8 जून, 1987

आदेश

आ. अ. 74—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की मारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट उत्तर-प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन, 1985 के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र में हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाले अध्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपर्युक्त रूप में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दरविल करने में असफल रहे हैं :

और उक्त अध्यर्थियों ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई ग्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अस्थावेदन पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है ;

अतः, अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में नीचे की मारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को मंसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

## भारणी

क्रम सं			निवाचन की विधिहितयां निवाचन क्षेत्र की क्रम संख्या एवं नाम	निवाचन लड़ने वाले अध्यर्थी का नाम ए पता	निरहंता का कारण
1	2	3	4	5	
1.	उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निवाचन, 1985।	20 नगीना (अ. जा.)	श्री बाबू राम, ग्राम कमालपुर पुरानी, डा. नगीना, जिला बिजनौर, (उत्तर प्रदेश)	निवाचन व्ययों का लेखा समय के प्रत्यावर्ती अपेक्षित रीति से दाखिल नहीं किया।	
2.	—वही—	131—जलालपुर	श्री वयाराम भाष्कर, ग्राम मठिया, पो. अकबरपुर, जिला फैजाबाद (उत्तर प्रदेश)	निवाचन व्ययों का कोई लेखा दाखिल नहीं किया।	
3.	—वही—	160—मुजेहना	श्री निजामुदीन, ग्राम करणीह, पो. देवरिया श्रलावल, जिला गोण्डा (उत्तर प्रदेश)	—वही—	
4.	—वही—	251—मडियालू	श्री प्रकाश चन्द्र, ग्राम दीपापुर, पो. नरनी, जिला जैनपुर, (उत्तर प्रदेश)	—वही—	
5.	—वही—	—वही—	श्री शमसुदीन, ग्राम बासदेवपट्टी, पो. मोकझपुर, जिला जैनपुर, (उत्तर प्रदेश)	—वही—	
6.	—वही—	252—कैराकत (अ. जा.)	श्री बालकृष्ण, ग्राम नसरुद्दीनपुर, पो. बसारतपुर, जिला जैनपुर, (उत्तर प्रदेश)	—वही—	
7.	—वही—	254—जैनपुर	श्री दिनेश कुमार भौमी उर्फ मुना, ग्राम हरजुपुर, पो. महरूपुर, जैनपुर (उ. प्र.)	—वही—	
8.	—वही—	—वही—	महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, महेरा, पो. भित्तग रामपुर जैनपुर (उ. प्र.)	—वही—	
9.	—वही—	—वही—	ग्राम लोटन, मनबल, पो. करजाकला, जैनपुर (उ. प्र.)	—वही—	
10.	—वही—	—वही—	न. हसन रजा, मोहल्ला ढालगर टोला, जैनपुर, जिला जैनपुर (उत्तर प्रदेश)	—वही—	
11.	—वही—	—वही—	श्री महेन्द्र, ग्राम व पो. प्रेमपुर, जिला जैनपुर (उ. प्र.)	—वही—	

1	2	3	4	5
12.	उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन 1985।	254-जीनपुर	श्री प्रयागनाथ, चौधरी निवास रुहटा, जीनपुर, जिला जीनपुर, (उत्तर प्रदेश)	निर्वाचन व्ययों का कोई सेवा दाखिल नहीं किया।
13.	-वही-	256-शाहगंज (अ.जा.)	श्री जियालाल, ग्राम बड़नपुर, पो. कलापुर, जिला जीनपुर (उत्तर प्रदेश)	निर्वाचन व्ययों का लेखा समय के अन्दर तथा प्रवेक्षित रोति से दाखिल नहीं किया।
14.	-वही-	296-राजपुर	श्री राम खिलावन सैनी, ग्राम व पोस्ट बड़गांव भिक्खी, कानपुर देहात (उत्तर प्रदेश)	-वही-

[स. 76/उ. प्र. वि. स. /85 (16)]

आदेश से,

सूरज प्रकाश, अवर सचिव,

New Delhi, the 8th June, 1987

## ORDER

O.N. 74.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidate specified in column (4) of the Table below at the General election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly, 1985 specified in column (2) held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge the account of his election expenses as shown in column (5) of the said Table, as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas the said candidates have either of furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice of the Election Commission or after considering the representations made by them, if any, is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this Order.

## TABLE

S. No.	Particulars of election	S. No. & Name of Constituency	Name and address of the Contesting Candidate	Reason of disqualification
1	2	3	4	5
1.	General Election to the U.P. Legislative Assembly, 1985.	29-Nagina (SC)	Shri Babu Ram, Vill. Karnalpur Purani, P.O. Nagina, Distt. Bijnor (U.P.)	Failed to lodge any account within the time and in the manner required by law.
2.	-do-	131-Jalalpur	Shri Daya Ram Bhaskar, Vill. Matiya, P.O. Akbarpur, Distt. Faizabad (U.P.)	Failed to lodge any account of election expenses.
3.	-do-	160-Mujehana	Shri Nizamuddin, Vill. Kargadih, P.O. Devaria Alabal, Distt. Gonda (U.P.)	-do-
4.	-do-	251-Mariahu	Shri Prakash Chand, Vill. Dipapur, P.O. Tarti, Distt. Jaunpur (U.P.)	-do-

1	2	3	4	5
5.	General Election to the U.P. Legislative Assembly, 1985.	251-Mariyah 251-Mariyah	Shri Shamsuddin, Vill. Vasdevpatti, P.O. Mokalpur, Distt. Jaunpur (U.P.)	Failed to lodge any account of election expenses.
6.	-do-	252-Kerakat (SC)	Shri Balkrishna, Vill. Nasruddinpur, P.O. Basaratpur, Distt. Jaunpur (U.P.)	-do-
7.	-do-	254-Jaunpur	Shri Dinesh Kumar Maurya alias Munna, Vill. Harejpur, P.O. Mahrupur, Distt. Jaunpur (U.P.)	-do-
8.	-do-	-do-	Shri Mahendra Kumar Srivastava, Vill. Sahera, P.O. Bhaura Rampur, Distt. Jaunpur (U.P.)	-do-
9.	-do-	-do-	Shri Ram Loatan, Vill. Manbal, P.O. Karjakalan, Distt. Jaunpur (U.P.)	-do-
10.	-do-	-do-	Shri Hasan Raja, Moh. Dhalgar Tola, Jaunpur, Distt. Jaunpur (U.P.)	-do-
11.	-do-	-do-	Shri Mahendra, Vill. & P.O. Premapur, Distt. Jaunpur (U.P.)	-do-
12.	-do-	-do-	Shri Prayagnath, Chaudhary Niwas Ruhatta, Jaunpur, Distt. Jaunpur (U.P.)	-do-
13.	-do-	256-Shahganj (SC)	Shri Jiyalal, Vill. Badanpur, P.O. Kalapur, Distt. Jaunpur (U.P.)	Failed to lodge the account of election expenses within the time and in the manner required by law.
14.	-do-	296-Rajpur	Shri Ram Khilawan Saini, Vill. & P.O. Badagaon Bhikhi, Kanpur Dehat (U.P.)	-do-

[No. 76/UP-LA/85(16)]

By Order,  
SURAJ PARKASH, Under Secy.